



8

# फूल और काँटा



शुतलेखन :-

पौधा      चाँद      हवाएँ      काँटा  
कली      अनूठा      शीश      बूयाम      चमकता  
बदप्पन      बरसता      फूल

शब्दार्थ :-

गृहकार्य :- काँपी में शब्दार्थ लिखिए।

प्रश्नोत्तर :- कुछ वाक्यों में

प्र० क प्रकृति फूल और काँटे के साथ एक साथ व्यवहार करती है - स्पष्ट कीजिए।

उत्तर फूल और काँटे एक ही स्थान पर पलते हैं, जहाँ उन्हें प्रकृति के सभी सुख समान रूप से मिलते हैं। इस आधार पर कहा जाता है कि प्रकृति फूल और काँटे के साथ एक साथ व्यवहार करती है।

ख फूल और काँटे के स्वभाव में क्या अंतर है?

उत्तर फूल और काँटे के स्वभाव में बहुत अंतर होता है। फूल सबकी खुशियाँ देता है, परंतु काँटा सबकी दुख पहुँचाता है।

(ग) काँटा सबकी आँख में क्यों खरकता है?

उत्तर काँटे के पास जो भी आता है, उसे दुख ही मिलता है इसलिए काँटा सबकी आँखों में खरकता है।

घ तितली और भौंरा को फूल-काँटे में से कौन अच्छा लगता है और क्यों?

उत्तर तितली और भौंरा को फूल-काँटे में से फूल अच्छा लगता है क्योंकि फूल उन्हें सहारा देता है और अपना मीठा रस पिलाता है।

ड. कविता का भाव लिखिए।

उत्तर कविता का भाव यह है कि मनुष्य की पहचान उसके कर्मों व गुणों से बनती है, उसके ऊँचे कुल या परिवार से नहीं। मनुष्य अपने अच्छे कर्मों से ही सम्मान प्राप्त करता है।

# अभ्यास

पुस्तक काशी

## बोलिए

1. पढ़िए

उ. छात्र स्वयं करें।

2. बताइए

क. पौधा किस-किसको पालता है?

उ. पौधा फूल और काँटा दोनों को पालता है।

ख. उँगलियों में कौन छेद कर देता है?

उ. काँटा उँगलियों में छेद कर देता है।

ग. इस कविता से क्या सीख मिलती है?

उ. इस कविता से यह सीख मिलती है कि कुल या परिवार की बजाय कर्मों का अच्छा होना ज़्यादा ज़रूरी है।





घ. आप फूल बनना चाहेंगे या काँटा? कारण सहित बताइए।

उ. मैं फूल बनना चाहूँगा / चाहूँगी क्योंकि फूल सबको खुशियाँ देता है और सब उससे प्यार करते हैं।

ङ. कविता में फूल की कौन-सी विशेषताएँ बताई गई हैं?

उ. फूल तितलियों को सहारा देता है, भौरे की भूख मिटाता है और अपनी सुगंध से सबका मन प्रसन्न कर देता है।

3. सोचिए / मूल्यपरक प्रश्न

✧ फूलों के कौन-से गुण अपनाकर हम सज्जन बन सकते हैं?

उ. सबको खुशियाँ देना, किसी को चोट न पहुँचाना, अपने रस के द्वारा मिठास बाँटना—ये फूलों के गुण हैं, जिन्हें अपनाकर हम सज्जन बन सकते हैं।

## लिखिए

1. सही उत्तर पर ✓ का निशान लगाइए—

क. कौन वस्त्र फाड़ देता है?

ख. फूल भौरे को क्या पिलाता है?

✓ काँटा

✓ रस

2. सही पंक्ति द्वारा रिक्त स्थान भरिए—

क. हैं जनम लेते जगह में एक ही,

...एक ही पौधा उन्हें है पालता।...

रात में उनपर चमकता चाँद भी,

...एक ही सी चाँदनी है डालता।...

ख.

...छेदकर काँटा किसी की उँगलियाँ,

फाड़ देता है किसी का वर वसन।

...प्यार-डूबी तितलियों के पर कतर,

भौर का है बेध देता श्याम तन॥

3. कुछ वाक्यों में उत्तर लिखिए—

क. प्रकृति फूल और काँटे के साथ एक-सा व्यवहार करती है—स्पष्ट कीजिए।

उ. फूल और काँटे एक ही स्थान पर पलते हैं, जहाँ उन्हें प्रकृति के सभी सख्त सख्त कहा जाता है कि प्रकृति फूल और काँटे के साथ एक-सा व्यवहार करती है—स्पष्ट कीजिए।

ख. फूल और काँटे के स्वभाव में क्या अंतर है?

उ. फूल और काँटे के स्वभाव में क्या अंतर है?

# समझिए व्याकरण संबोध

## 1. पर्यायवाची लिखिए—

|     |   |             |              |
|-----|---|-------------|--------------|
| रात | — | ...निशा...  | ...रात्रि... |
| मेह | — | ...बारिश... | ...वर्षा...  |
| वसन | — | ...कपड़ा... | ...वस्त्र... |
| पर  | — | ...पंख...   | ...डैना...   |
| फूल | — | ...पुष्प... | ...सुमन...   |

|       |   |               |              |
|-------|---|---------------|--------------|
| चाँद  | — | ...चंद्रमा... | ...शशि...    |
| हवा   | — | ...वायु...    | ...पवन...    |
| प्यार | — | ...प्रेम...   | ...प्रीति... |
| तन    | — | ...शरीर...    | ...बदन...    |
| सुगंध | — | ...खुशबू...   | ...सुवास...  |

## 2. इन पंक्तियों में से क्रिया शब्द चुनकर लिखिए—

छेदकर काँटा किसी की उँगलियाँ, ...छेदकर...  
फाड़ देता है किसी का वर वसन। ...फाड़ देता है...

प्यार-डूबी तितलियों के पर कतर, ...कतर...  
भौर का है बेध देता श्याम तन ॥ ...है बेध...

## 3. नीचे दिए गए शब्दों के सामने स्त्रीलिंग या पुल्लिंग लिखिए—

|       |   |                  |
|-------|---|------------------|
| पौधा  | — | ...पुल्लिंग...   |
| चाँद  | — | ...पुल्लिंग...   |
| तितली | — | ...स्त्रीलिंग... |
| उँगली | — | ...स्त्रीलिंग... |

|        |   |                  |
|--------|---|------------------|
| रात    | — | ...स्त्रीलिंग... |
| चाँदनी | — | ...स्त्रीलिंग... |
| भौरा   | — | ...पुल्लिंग...   |
| कली    | — | ...स्त्रीलिंग... |

## 4. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो अर्थ लिखते हुए इस प्रकार वाक्य बनाइए कि उनके अर्थ स्पष्ट हो जाएँ—

|       |   |             |                                               |
|-------|---|-------------|-----------------------------------------------|
| श्याम | < | ...कृष्ण... | ...वन में श्याम मुरली बजा रहे थे।...          |
|       |   | ...काला...  | ...रमेश श्याम वर्ण का है।...                  |
| कुल   | < | ...वंश...   | ...विवेक ने ऊँचे कुल में जन्म लिया था।...     |
|       |   | ...सारा...  | ...तुम्हारे पास कुल कितने रुपये हैं?...       |
| पर    | < | ...पंख...   | ...चिड़िया पर फैलाकर उड़ गई।...               |
|       |   | ...लेकिन... | ...मैंने गौरव को बुलाया था पर वह आया नहीं।... |

## 5. वर्ग-पहेली में से शब्द चुनकर, उसके साथ दिया अंक लिखिए—

|        |    |        |        |       |     |       |
|--------|----|--------|--------|-------|-----|-------|
| 1. फु  |    | 2. भ्र | 3. प्र | दे    | श   | 4. जी |
| ल      |    | म      | 5. अ   | भि    | न   | व     |
| वा     |    | र      | 6. भा  |       |     | न     |
| री     |    | 7. न   | र      | 8. भा | स्क | र     |
|        |    | ह      | त      |       |     | 9. दु |
|        |    | ला     | व      |       |     | र्ग   |
| 10. झू | ला | क      | र्ष    |       |     | ध     |

1 उपवन का समानार्थक

3 राज्य

2 गुंजन करनेवाला कीड़ा

10 पालना

4 मृत्यु का विलोम

8 सूर्य का एक और नाम

5 नवीन का अर्थ देनेवाला

6 हमारे देश का नाम

9 'दुर' उपसर्ग लगा शब्द

7 स्नान कराना